2021

HINDI

[HONOURS]

Paper : IV

Full Marks : 100 Time : 4 Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 1×5=5

क) 'अशोक के फूल' मे कुल कितनी कहानियाँ संकलित हैं ?

ख) 'दिव्या' उपन्यास का संबंध किस ऐतिहासिक काल से है ?

ग) 'दिव्या' उपन्यास का प्रकाशन वर्ष लिखिए।

घ) 'अशोक के फूल' का प्रकाशन वर्ष लिखिए।

ङ) 'एक दुनिया समानांतर' कब प्रकाशित हुआ था?

च) पद्मावती किस रचना की पात्र है ?

छ) 'मारिश' का परिचय दीजिए ।

ज) 'एक दुनिया समानांतर' में कुल कितनी कहानियाँ संकलित हैं ?

झ) 'चिन्तामणि भाग-१' में कुल कितने निबंध संकलित हैं ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×10=20

क) ''हाय, हमें काहेको छोड़ दियौ ! तुम्हारे सिवा हमारा लोक-परलोक और कौन हैं ।''—कौन किससे कह रहा है ?

ख) रवीन्द्रनाथ ने भारत को 'महामानव समुद्र' क्यों कहा है ?

ग) ''वह व्यक्ति आत्म-सीमित है। संसार के सिवा उसे और किसी से मोह नहीं है।''—वक्ता कौन है? 'वह' से किसको संबोधित किया गया है?

घ) रजुआ किस कहानी का पात्र है और उसका असली नाम क्या था?

ङ) ''अपना शरीर बेचकर उसने इच्छा को स्वतंत्र रखना चाहा, परंतु स्वतंत्रता मिली कहीं। कुल नारी के लिए स्वतंत्रता कहाँ?''—'उसने' से किसको संबोधित किया गया है? रचनाकार कौन है?

च) ''फूल सजाने में वह कितना कुशल है। एक बार मैंने यों ही कह दिया था कि मुझे रजनीगंधा के फूल बहुत पसंद है, तो उसने नियम ही बना लिया कि हर चौथे दिन ढेर सारे फूल लाकर मेरे कमरे में लगा देता है''—यह किस कहानी की पंक्तियाँ है और 'वह' कौन है?

छ) अम्निका का परिचय दीजिए।

ज) प्रियंगुमंजरी का परिचय दीजिए ।

झ) ''शब्द और अर्थ राजपुरुषों की संपत्ति है, जानकर आश्चर्य हुआ''—कौन, किससे कह रहा है ?

ञ) ''सम्प्रदाय की प्रतिष्ठा ही जब सबसे बड़ा लक्ष्य हो जाता है तो सत्य पर से दृष्टि हट जाती है ।'' पंक्ति का आशय लिखे ।

ट) फादर एलमंड और मिस वुड किस कहानी के पात्र हैं ? रचनाकार कौन हैं ?

ठ) ''इसमें फूल भी है, शूल भी है, गुलाब भी है, कीचड़ भी है''—यह किस रचना की पंक्तियाँ है और वक्ता कौन है ?

ड) ''मनुष्य व्यर्थ महत्व की आकांक्षा में मरता है—अपनी नीची किंतु सुदृढ़ परिस्थिति में उसे संतोष नहीं होता ?'' —यह कौन किससे कह रहा है ?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर विचार कीजिए : $6 \times 5 = 30$

क) ''यदि कहीं पाप है, अन्याय है, अत्याचार है तो उनका आशुफल उत्पन्न करना और संसार के समक्ष रखना, लोकरक्षा का कार्य है ।''—ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

ख) ''मैं फिर काम शुरु करुँगा—यहीं, इसी गाँव में। मैं प्यार की खेती करना चाहता हूँ। आँसू से भींगी हुई धरती पर प्यार के पौधे लहलहायेंगे। मैं साधना करुँगा, ग्रामवासिनी भारतमाता के मैले आँचल तले।''—ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

ग) 'दिव्या' के चरित्र की आधुनिक दृष्टि से समीक्षा कीजिए।

घ) ''मैं जानती हूँ माँ, अपवाद होता है। तुम्हारे दु:ख की बात भी जानती हूँ। फिर भी मुझे अपराध का अनुभव

नहीं होता। मैंने भावना में एक भाव का वरण किया है। मेरे लिए यह संबंध और सब संबंधों से बड़ा है।''—संसदर्भ व्याख्या कीजिए।

ङ) ''पोस्टकार्ड लौटाते समय मैंने उसके चेहरे को गौर से देखा। उसके मुख पर मौत की भीषण छाया नाच रही थी और वह जिंदगी से जोंक की तरह चिमटा था—लेकिन जोंक वह था या जिंदगी? वह ज़िंदगी का खून चूस रहा था या जिंदगी उसका? मैं तय न कर पाया।'' संसदर्भ व्याख्या कीजिए।

च) 'दूध और दवा' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

छ) ''परंतु इस तरह मेरा-तुम्हारा संबंध नहीं टूट सकता । तुमने कहा था न कि हम एक दूसरे के बहुत निकट पड़ते हैं । नहीं कहा था ? मैंने इन वर्षों में उस निकटता में अंतर नहीं आने दिया । मैं तो समझता हूँ कि अब हम एक दूसरे के और भी निकट पड़ते हैं ।''—सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

ज) 'जिन्दगी और जोक' कहानी के महत्त्व का उद्‌घाटन कीजिए ।

झ) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

''मैं मृत्यु से भय नहीं मानता... मृत्यु क्या है ? अस्मिता का अंत ! जिसका अस्तित्व नहीं, जिसे अनुभूति नहीं, वह भय भी अनुभव नहीं कर सकता । भय है जीवित रहकर पीड़ा और पराभव से । ...जीवन की सार्थकता अधिकार और सामर्थ्य में ही है ।''

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $15 \times 3 = 45$

क) आंचलिकता की दृष्टि से 'मैला आँचल' उपन्यास की मीमांसा कीजिए ।

ख) ''दिव्या इतिहास नहीं, ऐतिहासिक कल्पना मात्र है।''—उक्त पंक्ति के आलोक में दिव्या उपन्यास की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए।

ग) '''आषाढ़ का एक दिन' नाटक में ऐतिहासिक कथ्य के बहाने आधुनिकता और समकालीनता की अभिव्यक्ति ही नाटककार का लक्ष्य है''—तर्क सहित उत्तर दीजिए।

घ) रंगमंच की दृष्टि से 'अजातशत्रु' नाटक का मूल्यांकन कीजिए ।

ङ) पठित निबंधों के आधार पर आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबंध-कला पर प्रकाश डालिए ।

च) ''दिव्या उपन्यास में प्राचीन भारतीय संस्कृति के साथ आधुनिक चेतना का भी समन्वय है ।''—सोदाहरण इस मत की समीक्षा कीजिए ।

———————